Protest against withdrawal of Text Books

62. SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether large number of educationists in the country have protested to Government against withdrawal of the four history text books;

(b) if so, what is the reaction of Government on the points raised by them;

(c) what is the justification in withdrawing these books which are reported to be best and most scientific text books on the ancient, medieval and modern periods of Indian History; and

(d) whether Government are reconsidering the proposal for reintroduction of these books?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) Yes, Sir. Of these four books only two books namely Medieval India and Modern India, published by National Council of Educational Research and Training, are text books for Middle Schools and Secondary Schools respectively. The remaining two books are books of general reading and are not text books.

(b) The Text Books have not been withdrawn and the experts' opinion on the academic validity of the objections is being obtained.

(c) and (d). Does not arise.

बुन्देलखंड में कृषि फार्म

63. **श्री तेज प्रताप सिंह** : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बुन्देलखंड क्षेत्र (उत्तर प्रदेश के हमीरपुर, बांदा, जालौन, झांसी और ललितपुर तथा मध्य प्रदेश के दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना) में वहां की विशेष परिस्थितियों और पैदा की जाने वाली खाद्यान्नों और तिलहन की किस्मों का ध्यान रखते हुए केन्द्र ने कृषि फार्म खोला है ; और

(ख) उक्त क्षेत्र में अभी तक हुए कृषि संबन्धी अनुसंधान कार्य का ब्यौरा क्या है और कौन-कौन भी सुधरी हुई खाद्यान्न और तिलहनों की किस्मों का विकास किया गया है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (**श्री भानु प्रताप सिंह**) : (क) नहीं, श्रीमान । केन्द्रीय सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में कोई कृषि फार्म नहीं खोला है । तथापि, इस क्षेत्र की विशेष परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने 1966 में उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में भारतीय चरागाह तथा चारा अनुसंधान संस्थान (आई०जी०एफ०आर०आई०) झांसी में स्थापित किया था । यह संस्थान घास, चरागाह तथा चारा फसलों पर मौलिक तथा व्यावहारिक अनुसंधान कर रहा है । आई०जी०एफ०आर० आई०द्वारा की गयी प्रमुख अनुसंधान बुंदेलखंड क्षेत्र की भूमि के वैज्ञानिक उपयोग तथा फसल-पशुधन समाकलन पर आधारित सिद्धांतों से सम्बन्धित है ।

(ख) विभिन्न केन्द्रीय संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित की गयी अनुसंधान सामग्री तथा प्रौद्योगिकी के परीक्षण बुंदेलखंड क्षेत्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा समर्थित अखिल भारतीय समन्वित प्रायोजनाओं के अधीन किये जा रहे हैं । गेहूं की अनेक किस्मों—यथा-सिंचित दशाओं में कल्याण सोना, राज 911, एच डी 4530, जयराज, सोनालिका तथा शेरा और वर्षा पर आश्रित दशाओं में सी 306, के 65, के 68, मुक्ता और एन पी

404, चने की टाइप-3, राघे और एच 208 किस्मों, मसूर की टाइप 136 किस्म एवं अलसी की टी 397 व बी एस 44 किस्म का निर्धारण बुंदेलखंड के लिए आशाजनक किस्मों के रूप में कर लिया गया है।

History of Freedom Movement

64. SHRI M. N. GOVINDAN NAIR: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether the Government have decided to entrust the responsibility of bringing out the History of the Freedom Movement during 1937—1947, a Government financed 10 volume project, to Bharatiya Vidya Bhawan;

(b) whether this project was in the control of Indian Council of Historical Research; and

(c) if so, what are the reasons for making a change in the control of the project?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) to (c). The project was entrusted to the Indian Council of Historial Research, and the National Archives of India was required to assist it by collecting and making available to it relevant material from Government records. On a review of the implementation of the project made early this year, it was found that the progress had been slow. In this connection a suggestion was received that this responsibility might be entrusted to the Bharatiya Vidya Bhavan. The matter is, however, yet under consideration, and a final decision has not been taken.

यूरोपीय तथा पश्चिमी एवं पूर्वी शियाई देशों की भाषाओं के पढ़ाने के प्रबन्ध

65. **श्री मृत्युंजय प्रसाद वर्मा :** क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यूरोपीय तथा पश्चिमी एवं पूर्वी एशियाई देशों की भाषाओं को पढ़ाने तथा उनके लिए दक्षता परीक्षाओं के आयोजन के लिए कोई सरकारी प्रबंध हैं ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबन्धी ब्यौरा क्या है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) और (ख) , विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार देश के कई विश्वविद्यालय विदेशी भाषाओं की शिक्षा की सुविधायें उपलब्ध करते है। ब्यौरे दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ? [संचालय में रखा गया। देखिये संख्या एल/टी 1015/77].

Construction in contravention of approved Plan in East of Kailash Commercial Complex, New Delhi

66. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) the reasons why the D.D.A. allowed the unauthorised construction of Mezzanine floors and coverage of more area by the plot holders in contravention of the plans approved by D.D.A. in the Community Centre East of Kailash Commercial Complex when they had detected it during the construction stage;